55. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में कितनी कार्यात्मक इकाइयाँ हैं?

(1) नौ
(2) तीन
(3) पांच
(4) सात
(5) उत्तर नहीं देना चाहते

Scanned with CamScanner

GOVERNMENT OF INDIA English

INDIAN CULTURE

Discover, Learn, Immerse, Connect

Discover collections from Archives, Libraries and Museums of India

Kartavya Path | Museum Dir.

Back To Results

Indira Gandhi National Centre for the Arts

Records Available In: English, Hindi, Bengali, French, Oriya, Punjabi, Urdu, Tamil, Malayalam, German

683

Total Collections

Scanned with CamScanner

(IGNCA) is an Autonomous Trust set up by the Government of India under the Ministry of Culture. IGNCA is visualised as a centre that encompasses the study and experience of all the arts-each form within its own integrity, yet within a dimension of mutual interdependence, interrelated with nature, social structure and cosmology. The arts here are understood to comprise the fields of creative and critical literature, written and oral; the visual arts, ranging from architecture, sculpture, painting and graphics to general material culture, photography and film; the performing arts of music, dance and the theatre in their broadest connotation; and also in fairs, festivals and lifestyles that has an artistic dimension. The Centre focused its attention on India at first and has further started expanding its horizons to other civilizations and cultures. The IGNCA has six functional units – Kala Nidhi, the multi-form library; Kala Kosa, devoted mainly to the study and publication of fundamental texts in Indian languages; Janapada Sampada, engaged in lifestyle studies; Kaladarsana, the executive unit which transforms researches and studies emanating from the IGNCA into visible forms through exhibitions; Cultural Informatics , which applies technology tools for cultural preservation and propagation; and Sutradhara, the administrative section that acts as a spine supporting and coordinating all the activities More details are available at www.ignca.gov.in

Scanned

Scanned with CamScanner

82. हरियाणा राज्य की एक राज्य योजना – विधवा पेंशन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

(a) 21 वर्ष और इससे अधिक आयु की महिला पात्र है।

(b) इसमें ₹ 1,800 प्रति माह भत्ता दिया जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन **सही** है/हैं ?

(1) केवल (b)

(2) (a) और (b) दोनों

(3) न तो (a) और न ही (b)

(4) केवल (a)

(5) उत्तर नहीं देना चाहते

Scanned with CamScanner

सामाजिक न्याय और अधिकारिता निदेशालय
Directorate of Social Justice and Empowerment
Government of Haryana

हरियाणा विधवाओं एवं निराश्रित महिला पैंशन योजना (विधवा पैंशन)

वर्ष 1980-81 में हरियाणा में विधवाओं एवं निराश्रित महिलाओं को पैंशन योजना प्रारम्भ की गई थी । इस योजना का उद्देश्य ऐसी महिलाओं को, जोकि स्वयं अपने साधनों से आजीविका कमाने में असमर्थ हों तथा उन्हें राज्य से वित्तीय सहायता की आवश्यकता हो, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है । पेंशन की दर, जोकि योजना के प्रारम्भ में 50/-रूपये प्रतिमास थी, समय-समय पर बढ़ाई गई । पेंशन की दर 01-01-2014 से बढ़ाकर 1000/-रू0 प्रतिमास प्रति लाभपात्र की गई । दिनांक 01.01.2015 से पैंशन 1200/-रू0 प्रतिमास की गई थी। दिनांक 01.01.2016 से इस योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा दरों को बढ़ाते हुए पैंशन 1400/-रू0, दिनांक 01.11.2016 से पैंशन 1600/-रू0 ,दिनांक 01.11.2017 से 1800/-रू0, दिनांक 01.01.2020 से 2250/-रू0 तथा दिनांक 01.04.2021 से 2500/-रू0 प्रतिमास प्रति लाभपात्र कर दी गई है।

पात्रता मानदण्ड :

इस योजना के अन्तर्गत 18 वर्ष या इससे अधिक आयु की महिलायें, यदि वह हरियाणा राज्य की अधिवासी हैं और आवेदन फार्म जमा करवाने की तिथि से पिछले एक वर्ष से हरियाणा राज्य की निवासी है और उसकी अपनी सभी साधनों से वार्षिक आय 2,00,000/-रू0 से कम हों और वह निम्न तीन शर्तो में से कोई एक शर्त पूर्ण करती है, पैंशन प्राप्त करने के लिए योग्य है:-

- आवेदक विधवा है या
- आवेदक पति, माता-पिता और लड़कों के बिना निराश्रित है ।
- आवेदक भौतिक/मानसिक अक्षमता से निराश्रित है:-
  i. विवाहित महिला के केस में पति अथवा
  ii. अन्य महिलाओं के केस में माता-पिता ।

Scanned with CamScanner

67. निम्नांकित विकल्पों में से तद्भव शब्द का चुनाव कीजिए -

(1) दीप

(2) दूर्वा

(3) वक

(4) मूल्य

(5) उत्तर नहीं देना चाहते

Scanned with CamScanner

पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति

पुस्तक– हिंदी व्याकरण एवं रचना-प्रबोध
(कक्षा–9, 10, 11 व 12 के लिए)

संयोजक– डॉ. शिवशरण कौशिक, वरिष्ठ व्याख्याता, हिंदी विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा

लेखकगण–
1. डॉ. नवीन कुमार नंदवाना
सहायक आचार्य, हिंदी विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
2. श्रीमती दर्शना 'उत्सुक', प्रधानाचार्या
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
चरण नदी-II, जयपुर
3. श्री रामेन्द्र कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोखमपुरा, जयपुर

Scanned with CamScanner

तत्सम	तद्भव
गोधूम	गेहूँ
ग्रीष्म	गर्मी
घट	घड़ा
घटिका	घड़ी
घोटक	घोड़ा
घृत	घी
गहन	घना
चर्म	चाम
चंद्र	चाँद
चतुष्कोण	चौकोर
चतुर्दश	चौदह
चित्रकार	चितेरा
चैत्र	चैत
छत्र	छाता
चर्मकार	चमार
चर्वण	चबाना
चंद्रिका	चाँदनी
चतुर्थ	चौथा
चतुष्पद	चौपाया
चंचु	चोंच
चतुर्विंश	चौबीस
चौर	चोर
चित्रक	चीता
चुंबन	चूमना
चक्र	चक्कर
छाया	छाँह
छिद्र	छेद
जन्म	जनम
ज्योति	जोत
जिह्वा	जीभ
जंघा	जाँघ
ज्येष्ठ	जेठ
जामाता	जमाई/जवाँई
जीर्ण	झीना
झरण	झरना
जीर्ण	झीना

तत्सम	तद्भव
तप्त	तपन
तीक्ष्ण	तीखा
तैल	तेल
तपस्वी	तपसी
ताम्र	तांबा
तीर्थ	तीरथ
तुंद	तोंद
त्वरित	तुरंत
तृण	तिनका
दधि	दही
दंत	दाँत
दीपश्लाका	दीयासलाई
दीप	दीया
दीपावली	दीवाली
दुर्बल	दुबला
द्विपट	दुपट्टा
द्वितीय	दूजा
दूर्वा	दूब
दुग्ध	दूध
दुःख	दुख
दक्षिण	दाहिना
देव	दई/दैव
धर्म	धरम
धरित्री	धरती
धूम	धुआँ
धर्तूर	धतूरा
धैर्य	धीरज
धनश्रेष्ठि	धन्नासेठ
धान्य	धान
नग्न	नंगा
नक्षत्र	नखत
नव्य	नया
नापित	नाई
नृत्य	नाच
नकुल	नेवला
नव	नौ/नया

Scanned with CamScanner

तत्सम	तद्भव
मुक्ता	मोती
मुख	मुँह
मेघ	मेह
मृत्यु	मौत
श्मशान	मसान
यति	जती
यजमान	जजमान
यमुना	जमुना
यम	जम
यश	जस
योगी	जोगी
युवा	जवान
यंत्र-मंत्र	जंतर-मंतर
यशोदा	जसोदा
रज्जु	रस्सी
राजपुत्र	राजपूत
रक्षा	राखी
यज्ञोपवीत	जनेऊ
यूथ	जत्था
राशि	रास
रिक्त	रीता
रोदन	रोना
रात्रि	रात
राज्ञी	रानी
लक्ष्मण	लखन
लज्जा	लाज
लवंग	लौंग
लेपन	लीपना
लोहकार	लुहार
लक्षण	लच्छन
लक्ष	लाख
लवण	लोण/लोन
लक्ष्मी	लिछमी
लोह	लोहा
लोमशा	लोमड़ी

तत्सम	तद्भव
वणिक्	बनिया
वत्स	बच्चा/बछड़ा
वट	बड़
वर यात्रा	बरात
वचन	बचन
वाणी	बैन
विवाह	ब्याह
वर्षा	बरखा
वक	बगुला
वानर	बंदर
विष्टा	बीट
विद्युत	बिजली
वृद्ध	बूढ़ा
व्याघ्र	बाघ
शैया	सेज
शाप	सराप
शीतल	सीतल
शुष्क	सूखा
शर्करा	शक्कर
शत	सौ
शाक	साग
शिक्षा	सीख
शुक	सुआ
शुण्ड	सूँड
श्यामल	साँवला
श्वास	साँस
शृंगार	सिंगार
शृंग	सींग
श्रेष्ठि	सेठ
सरोवर	सरवर
शृगाल	सियार

Scanned with CamScanner

65. किस व्यक्ति ने वर्ष 2019 के लिए भारत रत्न का पुरस्कार जीता ?

(1) डॉ. भूपेन हजारिका
(2) प्रो. सी.एन.आर. राव
(3) उस्ताद बिस्मिल्लाह खान
(4) प्रनब मुखर्जी
(5) उत्तर नहीं देना चाहते

709102

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE F

Scanned with CamScanner

LIST OF RECIPIENTS OF BHARAT RATNA

S. No.	NAME	AWARDED IN
1.	Shri Chakravarti Rajagopalachari (1878-1972)	1954
2.	Dr. SarvapalliRadhakrishnan (1888-1975)	1954
3.	Dr. ChandrasekharaVenkata Raman (1888-1970)	1954
4.	Dr. Bhagwan Das (1869-1958)	1955
5.	Dr. MokshagundamVisvesvaraya (1861-1962)	1955
6.	Pt. Jawaharlal Nehru (1889 -1964)	1955
7.	Pt. GovindBallabh Pant (1887-1961)	1957
8.	Dr. DhondoKeshavKarve (1858-1962)	1958
9.	Dr. Bidhan Chandra Roy (1882-1962)	1961
10.	Shri Purushottam Das Tandon (1882-1962)	1961
11.	Dr. Rajendra Prasad (1884-1963)	1962
12.	Dr. Zakir Husain (1897-1969)	1963
13.	Dr. PandurangVaman Kane (1880-1972)	1963
14.	Shri Lal Bahadur Shastri (Posthumous) (1904-1966)	1966
15.	Smt. Indira Gandhi (1917-1984)	1971
16.	Shri VarahagiriVenkataGiri (1894-1980)	1975
17.	Shri KumaraswamyKamraj (Posthumous) (1903-1975)	1976
18.	Mother Mary Teresa Bojaxhiu (Mother Teresa) (1910-1997)	1980
19.	Shri Acharya VinobaBhave (Posthumous) (1895-1982)	1983
20.	Khan Abdul Ghaffar Khan (1890-1988)	1987
21.	Shri MarudurGopalan Ramachandran (Posthumous) (1917-1987)	1988
22.	Dr.Bhim Rao RamjiAmbedkar (Posthumous) (1891-1956)	1990
23.	Dr. Nelson Rolihlahla Mandela (1918-2013)	1990

Scanned with CamScanner

24.	Shri Rajiv Gandhi (Posthumous) (1944-1991)	1991
25.	SardarVallabhbhai Patel (Posthumous) (1875-1950)	1991
26.	Shri MorarjiRanchhodji Desai (1896-1995)	1991
27.	MaulanaAbulKalam Azad (Posthumous) (1888-1958)	1992
28.	Shri JehangirRatanjiDadabhai Tata (1904-1993)	1992
29.	Shri Satyajit Ray (1922-1992)	1992
30.	Shri Gulzarilal Nanda (1898-1998)	1997
31.	Smt. ArunaAsaf Ali (Posthumous) (1909-1996)	1997
32.	Dr. A.P.J. Abdul Kalam (1931-2015)	1997
33.	Smt. Madurai ShanmukhavadivuSubbulakshmi (1916-2005)	1998
34.	Shri Chidambaram Subramaniam (1910-2000)	1998
35.	Shri Jayaprakash Narayan (Posthumous) (1902-1979)	1999
36.	Professor Amartya Sen (b-1933)	1999
37.	LokpriyaGopinathBordoloi (Posthumous) (1890-1950)	1999
38.	Pandit Ravi Shankar (1920-2012)	1999
39.	SushriLataDinanathMangeshkar (b-1929)	2001
40.	UstadBismillah Khan (1916-2006)	2001
41.	PanditBhimsenGururaj Joshi (1922-2011)	2009
42.	Prof. C. N. R. Rao (b-1934)	2014
43.	Shri Sachin Ramesh Tendulkar(b-1973)	2014
44.	Shri Atal Bihari Vajpayee (1924-2018)	2015
45.	Pandit Madan Mohan Malaviya (Posthumous)(1861-1946)	2015
46.	Shri NanajiDeshmukh (Posthumous)(1916-2010)	2019
47.	Dr. Bhupendra Kumar Hazarika (Posthumous)(1926-2011)	2019
48.	Shri Pranab Mukherjee (b-1935)	2019

Scanned with CamScanner

21. हरियाणा में भाखड़ा प्रणाली के अन्तर्गत कुल कितनी नहरें हैं ?

(1) 528 नहरें
(2) 452 नहरें
(3) 521 नहरें
(4) 472 नहरें
(5) उत्तर नहीं देना चाहते

Scanned with CamScanner

GOVERNMENT OF HARYANA

हरियाणा सरकार

आर्थिक सर्वेक्षण

हरियाणा

2022-23

जारीकर्ता :

अर्थ एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा

2023

Scanned with CamScanner

प्रकाशन संख्या 1316
www.esaharyana.gov.in पर उपलब्ध

हरियाणा सरकार

आर्थिक सर्वेक्षण हरियाणा 2022–23

जारीकर्ता:
अर्थ एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा
योजना भवन, सैक्टर–4, पंचकूला

Scanned with CamScanner

सिंचाई

3.64 हरियाणा उतर भारत में छोटा सा भू–भाग वाला राज्य है, जिसमें भारत के भौगोलिक क्षेत्र का केवल 1.4 प्रतिशत भू–भाग है। कम वर्षा (300 मिलीमीटर से 1,100 मिलीमीटर) जैसी बाधाओं के साथ सीमित जल संसाधन होने के कारण अन्तर्राज्यीय नदी समझौतों पर निर्भर है, 40 प्रतिशत भू–जल खारा होने के कारण राज्य को कृषि (अर्थ व्यवस्था की रीढ की हड्डी) के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने और 2.5 करोड़ से अधिक लोगो को पीने का पानी उपलब्ध कराने के अतिरिक्त शहरी क्षेत्र, उद्योग आदि की आने वाली बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य विशाल कार्य का सामना करता है। हरियाणा ने इन जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी उपलब्ध कराने हेतु सिचांई नहरों और पेयजल योजनाओं का एक व्यापक नैटर्वक विकसित किया है और नेशनल फूड बास्केट में योगदान देने वाले अग्रणी राज्यों में से एक के रूप में उभर कर आया है और 100 प्रतिशत गांवो को पेयजल उपलब्ध करवा रहा है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की योजनावार लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ **तालिका 3.17** में दी गई है।

3.65 राज्य में नहर और जल निकासी नेटवर्क के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा (आई.डब्ल्यू.आर.डी.) की है जिसमें राज्य में सिंचाई, पीने, तालाब भरने, औद्योगिक और अन्य वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए पानी की आपूर्ति शामिल है। हरियाणा ने एक व्यापक नहरों का जाल विकसित किया है जिसमें 1,521 चैनल हैं जिनकी लम्बाई 14,125 कि. मी. है। भाखड़ा प्रणाली में कुल 521 नहरें हैं जिनकी कुल लम्बाई 5,867 कि. मी. है, यमुना प्रणाली की कुल 472 नहरें हैं जोकि 4,311 कि. मी. लम्बी हैं और उठान प्रणाली की कुल 528 नहरें हैं जिनकी लम्बाई 3,947 कि. मी. है। इसके अतिरिक्त जल

Scanned with CamScanner

58. Fill in the blank with correct form of Verb.

Time and tide _____ for none.

(1) waited

(2) waits

(3) waiting

(4) wait.

(5) Not attempted

रफ कार्य के लिए स्थान /

Scanned with CamScanner

Unit 6

LET'S BEGIN

A. Photographs of the Presidents of India are chronologically given below. Can you identify them?

B. Discuss in pairs and write down their names.

C. Why is the President of India known as the First Citizen of the country?

PRESIDENTS OF INDIA

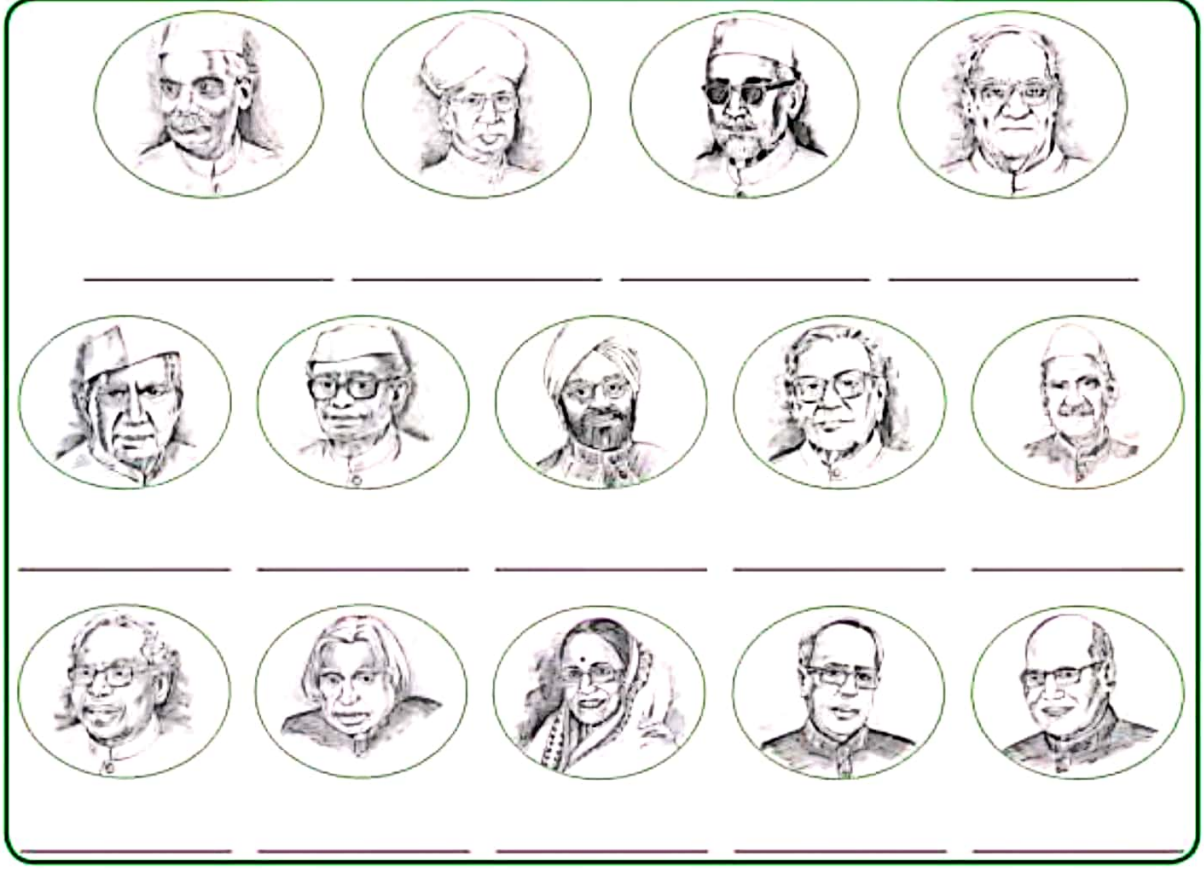

Scanned with CamScanner

job, I look at it as a Calling, as a Passion and I don't care about the hours, about the hardships, because to me everything is a joy. So whatever you do, please look upon it as a Calling, a Passion, not as a job, not as something temporary.

The third and the most important one, please help others rise. Greatness comes not from a position, but from helping build a future. All of us in position of power have an obligation to pull others up. You know, as I stand here today, I look at my responsibility not as accepting an honour, I look upon it as accepting a challenge and a responsibility, an obligation to actually make it possible for people who are younger to come up and achieve levels of greatness, so they too can be on the stage sometime in the future.

(Source: Speech delivered by Indra Nooyi at the Rashtrapati Bhawan on 14 December 2013)

1. What has Malcom Gladwell said in his book, that Indra Nooyi is refering to in her speech?

2. What according to Indra Nooyi helped her achieve great success?

3. What is the first lesson that Indra Nooyi has talked about in her speech?

Fun fact

Contradictory proverbs

All good things come to those who wait.
but
Time and tide wait for none.

The pen is mightier than the sword.
but
Actions speak louder than words.

Look before you leap.
but
Strike when the iron is hot.

Scanned with CamScanner

Fun fact

Contradictory proverbs

All good things come to those who wait.

but

Time and tide wait for none.

The pen is mightier than the sword.

but

Actions speak louder than words.

Look before you leap.

but

Strike when the iron is hot.

Scanned with CamScanner

15. As per Census 2011, the literacy rate in India is :

(1) 78.0

(2) 88.0

(3) 83.0

(4) 73.0

(5) Not Attempted

knowindia.india.gov.in

Home ▸ Profile ▸ Literacy

Literacy

For the purpose of census 2011, a person aged seven and above, who can both read and write with understanding in any language, is treated as literate. A person, who can only read but cannot write, is not literate. In the censuses prior to 1991, children below five years of age were necessarily treated as illiterates.

The results of 2011 census reveal that there has been an increase in literacy in the country. The literacy rate in the country is 74.04 per cent, 82.14 for males and 65.46 for females. Kerala retained its position by being on top with a 93.91 per cent literacy rate closely followed by

Scanned with CamScanner

76. हरियाणा में 'महारा गाँव जगमग गाँव' योजना के अन्तर्गत वर्तमान में लगभग कितने गाँवों को शामिल किया गया हैं?

(1) 5,300

(2) 4,200

(3) 6,500

(4) 6,000

(5) उत्तर नहीं देना चाहते

CHIEF MINISTER OFFICE HARYANA
GOVERNMENT OF HARYANA

प्रेस विज्ञप्ति

होम > प्रेस विज्ञप्ति

17 अगस्त 2023

चंडीगढ़, 17 अगस्त - हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा है कि राज्यों के बिजली विनियामक आयोगों का जिस उद्देश्य को लेकर का गठन किया गया था उस दिशा में उपभोक्ताओं के हितों में बड़ी सेवा कर रहे हैं तथा अपने स्तर पर बिजली सुधार में सकारात्मक कार्य कर रहे हैं। जिसके फलस्वरूप हरियाणा की सभी बिजली कंपनियां पहली बार मुनाफे में पहुंची हैं।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के गठन की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित बिजली विनियामक आयोगों के क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने आयोग के गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि बिजली डिस्कॉम कंपनियां वित्त क्षेत्र की सबसे बड़े सार्वजनिक उपक्रम में से एक है। बिजली कंपनियों को घाटे से उबारने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 'उदय' स्कीम लागू की गई थी। हरियाणा सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप बिजली कंपनियों का 25,950 करोड़ रुपये का घाटा सरकार ने अपने स्तर पर वहन किया और आज हरियाणा की सभी चारों बिजली कंपनियां मुनाफे में चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वप्रथम वर्ष 2014 में जब उन्होंने हरियाणा की सत्ता की बागडोर संभाली थी तो उस समय उन्होंने बिजली सुधार का संकल्प लिया था और वर्ष 2015 में तत्कालीन भिवानी जिले के बाढड़ा में जहाँ बिजली को लेकर बड़े-बड़े आंदोलन हुए, वहां पर आयोजित रैली में उन्होंने उपस्थित लोगों से झोली फैलाकर बिजली के बिल भरने की अपील की थी। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की अपील का लोगों पर इतना असर हुआ कि लोग स्वयं बिजली के बिल भरने के लिए आगे आ रहे हैं। जिसके फलस्वरूप 'म्हारा गांव, जगमग गांव' योजना के तहत प्रदेश के 5745 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सम्भव हो पाई है। इतना ही नहीं पिछले 9 वर्षों में बिजली बिलों के रेट भी नहीं बढ़ाये गए हैं।

Scanned with CamScanner

98. As per the India's Environment Report 2022, what is the rank of Haryana State in achieving Sustainable Development Goals (SDG-2030) ?

(1) 8th

(2) 1st

(3) 3rd

(4) 6th

(5) Not attempted

www.prharyana.gov.in

the state's development over the next 25 years.

Mr. Vikas Verma, North Region Head, UNDP India apprised that Haryana has made significant progress on various Sustainable Development Goals (SDGs) in recent years. The state has improved its ranking on the SDG India Index from 18 to 14, and its score has improved from 67 to 57.

He divulged that Haryana envisions a transformative Ideal Imaginary Vision for the year 2047, setting ambitious targets and achieving remarkable milestones in various sectors. Some key highlights of this vision include reducing the Infant Mortality Rate (IMR) to below 10, signifying significant progress towards SDG 3 (Good Health and Well-being). Additionally, the state aims to achieve a Under-5 Mortality Rate (U5 MR) of 20, further reflecting its dedication to improving healthcare outcomes.

Moreover, Haryana aims to create a pollution-free environment by ensuring no air pollution, while providing piped water to all its residents and achieving 100% waste recycling, demonstrating its commitment to sustainable and eco-friendly practices.

Scanned with CamScanner